

बिस्मिल्लाहीर्रहमानिर्रहीम

शुभ समाचार शुभ समाचार



लेखक
मोहम्मद फारुक हुर्जूक
2026

संदर्भ
सुफयान कझी
PhD

अल्लाह के नाम से शुरु करता हूँ जो बहुत बड़ा कृपालु और अतीशय दयालु वाला है।

प्रिय मित्रों! कृपया इस शुभ समाचार को ध्यानपूर्वक पढ़ें, तथा इसे याद रखें और इस पत्रिका का लाभ प्राप्त करने के लिए भरपूर प्रयास करें क्योंकि यह हम सभी के भविष्य के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मनुष्य के जीवन में एक ऐसा क्षण या समय आता है। जो उस के जीवन में क्रांती या उन्नति लाने के लिए अल्लाह की ओर से सच्चा ज्ञान प्राप्त हो सकता है। उस क्षण या समय की पहचान वही व्यक्ति कर सकता है, जो बुद्धिमान और विद्वान होता है।

प्रिय मित्रों! याद रखिए मनुष्य का जीवन एक पुस्तक की तरह है। जिस का पहला अध्याय जन्म से शुरु होता है। और मृत्यु पर समाप्त होता है। इस जीवन के बीच वाले दुसरे पन्नों को अपनी अच्छी नियत, सही आस्था और उत्कृष्ट कर्मों के अध्यायों से भर सकते हैं। इस लिए जीवन के उस महत्वपूर्ण क्षण या समय का सही उपयोग करने के लिए मेरा प्रेमपूर्ण केवल एकही सलाह है कि आप का पालनहार तथा निर्मता सत्य ईश्वर अल्लाह की ओर से अवतरित किया हुआ पवित्र कुरआन का दिल के गहराई से और ध्यानपूर्वक

अध्यायन करें ताकि आप सत्य ईश्वर और असत्य ईश्वर के दरम्यान स्पष्ट अंतर समझ सकें तथा अपनी शंकाओं और भ्रमों को दूर कर सकें क्योंकि बातील (गलत) ज्ञान शैतान की ओर से इंसान के हृदय में गुप्त आवाज से अल्लाह के विरोध में धोक और फरेब देता है।

तथा कुरआन का सही अर्थ समझने के लिए संदेशा मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) के जीवन-चरित्र, उनके आचरण एवं कथनों (हदीसों) का अध्यायन जरूर करें। और अपने जीवन को लाभान्वित करें। इस सत्य मार्गदर्शन के माध्यम से जीवन के वे खाली पृष्ठों (पन्नो) को सुरक्षित आस्था (विश्वास) और सत्कर्मों से भरे जाएंगे। परिणाम स्वरूप, इस संसार में अल्लाह को प्रसन्न कर के उत्कृष्ट कर्मों का प्रतिफल प्राप्त होगा और मृत्यू के बाद आने वाली कठिनाइयों एवं संकटों से भी रक्षा होगी।

कुरआन यह खजूर के पेड़ के समान है, जिस के मिठे फल इस संसार में भी प्राप्त होते हैं। और मृत्यू के बाद स्वर्ग में भी प्राप्त होंगे। इसी प्रकार, कुरआन के माध्यम से इस दुनिया में अल्लाह की ओर से कृपाएं (रहमतें) और सफलता से कई चमत्कारी फायदे प्राप्त होंगे साथ ही उस व्यक्ति के दर्जे भी बुलंद(उच्च)

होंगे, सही आस्था (सच्चा इमान), पुण्य के काम और अच्छे स्वभाव का प्रतिफल मृत्यू के बाद स्वर्ग के रूप में प्राप्त होगा। इस लिए यह याद रखें यह जीवन अल्लाह की ओर से दी गई एक अमूल्य देन (नेमत) है। उसका उद्देश केवल जीवन में परीक्षा है- एकमात्र अल्लाह की उपासना (इबादत) करना है और उस के द्वारा ली जाने वाली परीक्षा में सफल होना है। क्योंकि अंततः इस जीवन का पूरा हिसाब देना अनिवार्य होगा यह एक अटल और सत्य हकिकत है।

इस लिए हमें ऐसा जीवन जीना चाहिए जिस से हमें अपना शत्रु (शैतान) से मुक्ति मिले और फिर मृत्यू के बाद अल्लाह के सामने अपने जीवन का संपूर्ण हिसाब देते समय शर्मिंदगी न उठानी पड़े और न ही पछताना पड़े। क्योंकि वहाँ असत्य आस्था (बातील इमान) और बुरे कर्म करने वालों के लिए अत्यंत कठोर यातना नर्क है जिस में उन्हें हमेशा रहना पड़ेगा।

['' (पैगम्बर) आप उनसे कह दीजिए: ऐ लोगो तुम्हारे पालनहार (अल्लाह) की ओर से तुम्हारे पास सत्य (ग्रंथ) आ पहुँचा है। इस लिए जो कोई इस (ग्रंथ) के माध्यम से सीधा मार्ग अपनाएगा, तो वह अपने ही भलाई के

लिए अपनाएगा, और जो कोई इस सत्य (ग्रंथ) से विमुख होकर मार्गभ्रष्ट होगा, तो वह स्वयं अपने आपको संकट में डालेगा। "। (कुरआन-१० / १०८)

{ " हजरत अबू उमामा (रजियल्लाह अन्हु) फ़रमाते हैं: मैंने हजरत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व ससल्लम्) को यह कहते हुए सुना है। कुरआन (हमेशा) पढ़ा करो, क्योंकि वह क़यामत के दिन अपने पढ़ने वालों के लिए सिफ़ारिश करने वाला बन कर आएगा। " } (सहीह मुस्लिम ९९१)

प्रिय मित्रों। अल्लाह की ओर से दी गई जीवन की अवधी को अपनी बुद्धीमत्ता या शक्ति का परिणाम न समझो। जिस दिन अल्लाह के हुक्म से शरीर में से आत्मा निकाल ली जाएगी, उस दिन इंसान ज़मीन पर मुँह के बल गिर पड़ेगा तब उस का सारा घमंड चूर-चूर हो जाएगा। इस लिए अल्लाह ने सभी लोगों को यह संदेश और आह्वान दिया है। " }

[" तथा प्रत्येक वस्तुओं को हम ने जोड़ा-जोड़ा पैदा किया है, ताकि तुम नसीहत प्राप्त करो तो तुम अल्लाह की ओर दौड़- भाग (अर्थात ध्यान) करो नि: संदेह मैं तुम्हें उस की ओर से स्पष्ट रूप से सचेत करने वाला (पैगम्बर) हूँ। तथा अल्लाह के साथ अन्य

किसी को उपास्य (माआबूद / देवता) न बनाओ मैं तुम्हे उस की ओर से स्पष्ट रूप से सचेत करने वाला हूँ।"] (कुरआन-५१ / ४९, ५०, ५१)

उपर के इस आयत में पाँच चीज़ों का उल्लेख कर के बताया गया है कि इन सभी वस्तुओं को केवल अल्लाह ने जोड़ो के साथ पैदा किया है, ताकि मनुष्य इस सृष्टी तथा स्वयं अपने बारे में बहुत सोच समझकर नसिहत प्राप्त करे, और. अल्लाह की ओर लौटने के लिए तुरंत आगे बढे। साथ ही, अल्लाह के सिवा किसी अन्य को पूजा के लिए न ठहराए निः संदेह पैगम्बर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) को अल्लाह की ओर से समस्त मानवता को चेतावनी देने के लिए नियुक्त किया गया है। इस लिए कुरआनी मार्गदर्शन के माध्यम से मृत्यू के बाद जीवन का लाभ प्राप्त करना चाहिए इस लिए यह आप से मेरे दिल की गहराई से विनम्र अनुरोध है।

आपका हितैषी मित्र
मोहम्मद फारुक हर्जूक

धन्यवाद